गली दे विचो श्याम लँगीया

मेरी खुल गयी पटक देके आख नी
गली दे विचो श्याम लँगीया
श्याम लँगीया गली दे विचो श्याम लँगीया

ऐथो ग्वाले रोज है लांगदे
रोज लांगदे ते ज़रा वी नी खांगदे
असा लन्गाना जमाने नालो वाख नी
गली दे विचो श्याम लँगीया
मेरी खुल.....

आज बोल्दा बनेरे उत्ते काग नी
श्याम आयेगा साडे वी घर नी
मैं ता तका राह चक चक नी
गली दे विचो श्याम लँगीया
मेरी खुल.....

एह ता लांगदा होर किथे खांगदा
औन्दा जानदा माखन है मांगदा
मैनू कहन्दा है चोर है शाक दा
गली दे विचो श्याम लँगीया
मेरी खुल.....

Source:
https://www.bharattemples.com/gali-de-vicho-shyam-lagniyan-meri-khul-gai-patak-deke-aakh-ni/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw